जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

सारा! सच

www.SaraSach.com

सारा सच अपडेट

सच्ची बात

fnYyh l: iadkf'kr fgUnh ikf{kd lekpkj i=

♦वर्ष : 6 ♦अंक : 2 ♦16 मार्च से 31 मार्च 2017 ♦पृष्ठ:8 ♦मूल्य:3 रुपए हिजरी 1438 RNI NO. DELHIN/2012/41828

;ih e Hkktik dk ijpe

संवाददाता

नई दिल्ली। राजनीतिक दृष्टि से देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा का वनवास खत्म हो गया और पार्टी 14 साल बाद सत्ता में धमाकेदार वापसी कर नया इतिहास रचने जा रही है। भाजपा ने बिखरे विपक्ष को धूल चटा दी जिसे उम्मीद थी कि नोटबंदी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में सेंध लगा देगी। उत्तर प्रदेश में पिछले 14 सालों में सपा और बसपा की सरकारें रही थीं। गोवा और मणिपुर में भी भाजपा का कड़ा मुकाबला है और कांग्रेस को पंजाब में सांत्वना पुरस्कार से संतोष करना पड़ा है जहां उसकी सरकार बनना तय है।

यूपी में बीजेपी उत्तराखंड के अलग होने के बाद ऐसी पार्टी बनी है जिसने इतना प्रचंड बहुमत हासिल किया हो। खबर लिखे जाने तक बीजेपी ने 284 सीटें जीत ली है जबकि वह 28 सीटों पर आगे चल रही है।

बीजेपी को कुल 312 सीटें मिलती नजर आ रही हैं। वहीं उसके सहयोगी दल कों भी 11 सीटें जीतते दिख रहे हैं। वहीं सपा–कांग्रेस गठबंधन 54 सीटों पर आगे है। सबसे खराब हालत बसपा की रही उसके खाते में सिर्फ 19 सीटें आती दिख रही हैं।

बीजेपी ने राम मंदिर लहर के बीच 1991 के विधानसभा चुनाव में कल्याण सिंह के नेतृत्व में 221 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में बीजेपी ने अपने सारे पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। 403 विधानसभा सीटों में बीजेपी 312 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं कांग्रेस–समाजवादी पार्टी गठबंधन ने 54 सीटों पर आगे है। 2014 के लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीतने वाली मायावती की पार्टी बसपा का हाल और बुरा है। बसपा का यह पिछले 25 सालों में सबसे बुरा प्रदर्शन है। बसपा फिलहाल 19 सीटों पर आगे है जबकि 1991 में उसे 12 सीटें मिली थी।

उत्तर प्रदेश के अलग होने के बाद उत्तराखंड का यह चौथा विधानसभा चुनाव है। 70 विधानसभा सीटों वाले राज्य में आज तक किसी दल ने 40 का आंकड़ा पार नहीं किया था। अभी के रूझानों के अनुसार बीजेपी 57, कांग्रेस 11 और अन्य 2 सीटों पर आगे चल रहे हैं। यूपी की तरह ही बीजेपी

ने उत्तराखंड में सीएम पद का चेहरा नहीं दिया था और पार्टी पीएम मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही थी।

मोदी लहर के सामने सीएम हरीश रावत भी हरिद्वार ग्रामीण सीट से विधानसभा चुनाव हार गए।

पंजाब में कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया है। 117 सदस्यीय विधानसभा सीटों वाले राज्य में कांग्रेस 76 सीटें जीत चुकी है जबकि 01 सीटों पर आगे चल रही है। लगातार पिछले दो विधानसभा चुनाव जीतने वाली शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी गठबंधन सिर्फ 18 सीटें जीत सकी है। वहीं एग्जिट पोल में बेहतर प्रदर्शन करने वाली आम आदमी पार्टी महज 20 सीटें जीत सकी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार चुनाव से पहले नवजोत सिंह सिद्धू का बीजेपी को छोड़कर हाथ का दामन थामना कांग्रेस पार्टी के लिए फायदेमंद रहा। सिद्धू खुद अमृतसर पूर्व सीट से 43 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं।

पिछले विधानसभा में बीजेपी यहां खाता खोलने में असफल रही थी। इस बार पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी 20 सीटों पर आगे चल रही है। कांग्रेस भी टक्कर में है।

60 सदस्यीय विधानसभा सीटों वाले राज्य में कांग्रेस 26 सीटों पर आगे चल रही है। हालांकि 2012 के चुनाव में सीएम इबोबी सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने 46 सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था। राज्य में इरोश शर्मिला पर पूरे देश की नजर थी लेकिन उन्हें इबोबी सिंह के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

रक्षा मंत्री मनोहर परिकर के राज्य में बीजेपी और कांग्रेस में टक्कर चल रही है। 40 सदस्यीय विधानसभा सीटों

'k"k i"B pkj ij

mÙkj çns'k] mÙkjk[kM e Hkktik dh egk fot ;% jktukFk

नई दिल्ली। गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भाजपा के प्रदर्शन को महा विजय बताते हुए कहा कि पार्टी ने इस जीत से देश की राजनीतिक रवायत बदल दी है। विधानसभा चुनाव के परिणामों पर राजनाथ सिंह ने यहां कहा, यह जीत नहीं महा जीत है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विजय की नयी उचाइंयों को छूकर देश की राजनीतिक कहानी बदल दी है। सिंह ने कहा कि चुनाव में भाजपा की जीत जनता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विश्वसनीयता, उनके काबिल नेतृत्व और पार्टी के सुशासन के प्रति संकल्प की जीत है। उन्होंने कहा, जीत का श्रेय हमारे अध्यक्ष अमित शाह की संगठनात्मक क्षमता और पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत को जाता है। हम इस ऐतिहासिक जीत के लिए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की जनता को धन्यवाद देते हैं।

दलित और गरीब विरोधी है आप-भाजपाः माकन

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन ने मंगोलपुरी विधानसभा में क्यू ब्लाक के कतर मार्केट में दलित न्याय मार्च की शुरुआत की। माकन ने कहा कि जब से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार व केन्द्र में भाजपा की सरकार आई है तब से दलितों और उपेक्षित वर्ग के लोगों की अधिक अनदेखी हो रही है। दिल्ली नगर निगमों के सफाई कर्मचारियों को वेतन न मिलने के कारण पांच–पांच बार हड़ताल पर जाना पड़ा है और तीनों निगम के सफाई कर्मचारियों के 1553 करोड़ के एरियर देना बकाया है। दलित न्याय मार्च का आयोजन दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति– जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा दिल्ली के 46 आरक्षित वार्डों में 10 से 12 दिनों तक चलाया जायेगा।

दलित न्याय मार्च में अजय माकन के अलावा दिल्ली प्रभारी श्री पी.सी. चाको, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक देवेन्द्र यादव, एस.सी. विभाग के चौयरमेन श्री शिवराम सिंह, जिला अध्यक्ष इन्द्रजीत

सिंह आदि भी मौजूद थे।

माकन ने कहा कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के द्वारा असहनीय तपती गर्मी में सफाई कर्मचारियों के साथ धरने पर बैठकर संघर्ष करने के बाद ही सफाई कर्मचारियों को उनका रुका हुआ वेतन मिला। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने दवाब में आकर तुरंत सफाई कर्मचारियों के लिए पैसा जारी कर दिया। यदि कांग्रेस की कल्याणकारी योजनाओं की बात की जाये तो वह गरीब और अति पिछड़े वर्ग के छात्रों को वजीफा देने की बात

'k"k i"B pkj ij

vki ljdkj us yxkbl VDl Ýh ctV dh gfV'd

नई दिल्ली। दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में इस सरकार का तीसरा बजट पेश किया। बजट पर पूरी तरह दिल्ली नगर निगम चुनाव का असर दिखा। यही कारण है कि जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया है।

सरकार ने पहली बार आउटकम बजट पेश करने का दावा किया है। यानी विभाग अपना लक्ष्य तय करेंगे और सरकार उन्हें उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पैसा देगी और प्रत्येक तिमाही में जनता को उससे हुए फायदे की समीक्षा करेगी। जनता को फायदा न होने पर योजना के बारे में पुनर्विचार किया जाएगा।

बजट में पिछले साल के मुकाबले 6800 करोड़ रुपये अधिक का प्रावधान किया गया है। तीन मदों में कर की सीमा 12.5 फीसद से कम कर 5 फीसद कर दी गई है। सरकार ने नगर निगमों पर दरियादिली दिखाते हुए उनके लिए आवंटन में 15 फीसद का इजाफा किया है। बिजली हाफ और पानी माफ की योजना जारी रहेगी। बजट में हर वर्ग को छूने की कोशिश की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों पर भी सरकार

पूरी तरह मेहरबान दिखी। यह पहला बजट है, जिसमें योजना मद और गैर योजना मद को समाप्त किया गया है। बजट राजस्व व्यय और पूंजी व्यय के तहत तैयार किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने साफ किया है कि इस बजट का आवंटन विभागों को किया गया है, लेकिन उसे खर्च करने के बाद ही काम खत्म नहीं होगा। यह भी देखा जाएगा कि उक्त मद में खर्च करने से जनता को कितना लाभ हुआ। हर तीन महीने बाद इसका आकलन भी होगा। इसकी प्रति दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर 31 मार्च तक उपलब्ध कराई जाएगी।

शिक्षाः पिछले साल की तरह इस साल भी शिक्षा पर खास ध्यान दिया गया है। सरकार ने इस मद में 11300 करोड़ रुपये का बजट रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष से 610 करोड़ रुपये ज्यादा है।

सरकार इस रकम से हर इलाके में दो से छह साल के आयुवर्ग के बच्चों के लिए अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन सेंटर खोलना और 156 सरकारी स्कूलों में प्री–प्राइमरी कक्षाएं शुरू करना चाहती है। 10,000 नए क्लासरूम, 400 पुस्तकालय और अंग्रेजी

'k"k i"B pkj ij

संपादकीय

&lyhe vgen

चिंताजनक है नौकरशाही का भ्रष्टाचार

विगत दिनों छत्तीसगढ़ के प्रमुख सचिव बीएल अग्रवाल सीबीआई के हत्थे चढ़ गए। उन पर खुद से जुड़े एक मामले की जांच प्रभावित कराने के लिए 1.5 करोड़ रुपए घूस देने का आरोप है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के तीन बड़े अधिकारी भी इसी हफ्ते घूस लेने के आरोप में गिरफ्तार हुए। सीबीआई के पूर्व निदेशक रंजीत सिन्हा पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोपियों से लगातार मेल–मुलाकात के आरोप लगे। इसी एजेंसी के एक अन्य पूर्व प्रमुख एपी सिंह के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई। तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के संयुक्त निदेशक पर भी सीबीआई ने शिकंजा कसा। अहमदाबाद में तैनात रहे प्रवर्तन निदेशालय के पूर्व निदेशक जेपी सिंह की गिरफ्तारी का मामला ताजा है। जेपी सिंह क्रिकेट सट्टेबाजी और मनी लॉड्रिंग के आरोपी हवाला कारोबारी अफरोज की जांच से जुड़े रहे जो तकरीबन 5000 करोड़ रुपए का मामला है। जेपी सिंह पर 15 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का आरोप है। शीर्ष नौकरशाहों पर भ्रष्टाचार में लिप्त होना बेहद चिंताजनक है। सच तो यह है कि तकरीबन हर माह ऐसे मामले सामने आते हैं जब सीबीआई किसी न किसी भ्रष्ट अफसर पर शिकंजा कसती है। यह सही है कि केंद्र सरकार के शीर्ष स्तर पर भ्रष्टाचार का कोई मामला सामने नहीं आया है लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि नौकरशाहों के भ्रष्टाचार के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अमूमन ऐसे मामलों में यह मुश्किल से ही पता चल पाता है कि भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए अफसर की जांच किस नतीजे पर पहुंची? प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट 1988 के तहत सूर्यनारायण मूर्ति बनाम आंध्र प्रदेश मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसले में कहा है कि सरकारी अफसर पर रिश्वत लेने का अपराध तभी माना जाएगा जब अदालत में यह साबित हो जाए कि उसने रिश्वत मांगी थी। अगर कोई नागरिक खुद–ब–खुद किसी अफसर को कुछ दे जाए तो यह रिश्वत न होगी, न्यायालय ने व्याख्या की है।

सर्वोच्च न्यायालय ने रिश्वत विरोधी कानून में एक छोटी खिड़की ही नहीं छोड़ी, उसने चारों और की दीवारें ही हटा लीं क्योंकि रिश्वत लेने के किसी मामले में यह साबित करना असंभव है कि रिश्वत कब और कैसे मांगी गई। कोई अफसर लिखित में पर्चा तो नहीं देगा कि काम कराना है तो 5 लाख रुपए बैंक ड्राफ्ट से पत्नी के नाम भेज दो और अफसर पर्चे पर हस्ताक्षर कर दे। आमतौर पर रिश्वत के वे मामले पकड़े जाते हैं जिनमें नागरिक शिकायत करता है और भ्रष्टाचार विरोधी अफसर निशान लगे नोट संबंधित सफर को दिलवाते हैं और उसी समय भ्रष्ट अफसर को पकड़ लिया जाता है।

भारतीय प्रशासन तमाम संवैधानिक रक्षा कवचों से लैस है। संविधान विशेषज्ञ मंत्रिपरिषद को अस्थायी और प्रशासन को स्थायी सरकार बताते हैं। मंत्रिपरिषद का कार्यकाल पांच वर्ष का है लेकिन प्रशासन का कोई कार्यकाल नहीं। सरकारें नीति बनाती हैं। प्रशासन उन्हें लागू करता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि सरकारें संसद और विधानमंडल के प्रति जवाबदेह हैं लेकिन प्रशासन तंत्रा की कोई जवाबदेही क्यों नहीं है? जरूरी केवल यह नहीं है कि भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ कार्रवाई हो बल्कि ऐसी व्यवस्था का निर्माण भी हो जिससे वे किसी तरह की मनमानी न कर पाएं। ऐसी किसी व्यवस्था का निर्माण प्रशासनिक सुधारों की पहल को आगे बढ़ाने और शीर्ष अफसरों की सेवा शर्तो की नए सिरे से समीक्षा करने से ही संभव है। चीन में ताकतवर भ्रष्टाचारियों को टाइगर और सामान्य भ्रष्टों को मक्खी कहा जाता है। सीधे राष्ट्रपति के मातहत आने वाली चीनी भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी सीसीडीआई ने वर्ष 2015 में 100वां टाइगर पकड़ने की घोषणा की थी। बीते पांच–छह साल में वे 139 प्रशासनिक टाइगर पकड़ चुके हैं और 180 बड़े राजनीतिक टाइगर।भारतीय एजेंसियों को उससे सबक लेना चाहिए। भ्रष्टाचार राष्ट्रीय विकास में बड़ी बाधा है। भारतीय प्रशासन तंत्र तरह–तरह के आरोपों से बुरी तरह जूझ रहा है।

जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

ikd d vkrfd;k ij dkjokbl d ek;u

पाकिस्तान की सबसे बड़ी इबादतगाह मानी जाने वाली शाहबाज कलंदर दरगाह में 16 फरवरी को हुआ आतंकी हमला पिछले दो सालों में पाकिस्तान में हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जा रहा है। हमले में करीब 100 लोगों की जानें गईं और 200 लोग घायल हुए। जिस तरह से पाकिस्तान अपने जर्रे–जर्रे को समेट रहा है, उससे लगता है कि फ्रांस के बरबन राजाओं की तरह ही पाकिस्तान के शासक भी 'कुछ नहीं सीखते और न ही कुछ भूलते हैं।'लीगी अपसंस्कृति से उपजे एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान कभी भी उन प्रतिमानों से खुद को दूर नहीं कर पाया जिनके जरिए जिन्ना एक बड़ी आबादी के साथ षड़यंत्रा रच कर भारत का विभाजन कराने में सफल हो गए थे। पाकिस्तान बनने के बाद उन तत्वों का प्रकटीकरण कभी रावलपिंडी के मार्शलों द्वारा हुआ, कभी लोकतंत्रा के नुमाइंदों द्वारा तो कभी या फिर प्रायः जिहादियों द्वारा। नतीजा यह हुआ कि कभी भारत का ही एक अहम हिस्सा रहा पाकिस्तान आज एक अनिश्चित और आतंकवादी राष्ट्र के रूप में नजर आ रहा है।

शाहबाज कलंदर दरगाह पर किया गया हमला पांच दिनों में पाकिस्तान में होने वाले दस हमलों में से एक था। टीटीपी (तहरीक – ए – तालिबान – पाकिस्तान) के ही एक धड़े जेयूए (जमात–उल–अहरार) ने शाहबाज कलंदर दरगाह पर हमले की जिम्मेदारी ली है। जेयूए खुद को इस्लामिक स्टेट का वफादार बताता है। इस हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने जिस तरह एक दिन में सौ से अधिक आतंकियों को मार गिराया, उसके आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी कि पाकिस्तान की आंखें खुल गई हैं।

सुरक्षा जानकारों के अनुसार पाकिस्तान अब पाक तालिबान का हिस्सा लश्कर–ए–झांगवी और जमात – उल – अहरार जैसे संगठनों के खिलाफ तो कार्रवाई कर सकता है पर लश्कर – ए–तैयबा और जैश–ए–मुहम्मद के खिलाफ किसी कार्रवाई की उम्मीद नहीं की जा सकती जिन पर कार्रवाई के लिए भारत, पाकिस्तान पर दबाव बनाता रहा है। शुरू से ही पाकिस्तानी सेना और चरमपंथी गठजोड़ भारत के खिलाफ गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। इनमें से एक यानी पाक सेना भारत को दुश्मन नंबर एक मानती है जबकि वहां के चरमपंथी भारत को सनातन शत्रु के रूप में पेश करते हैं किंतु अब इसके साइड इफेक्ट पाकिस्तान के लिए ही घातक सिद्ध होने लगे हैं।

पाकिस्तान का आरोप है कि जेयूए अफगानिस्तान से काम करता है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से जेयूए के आतंकियों का खात्मा करने की मांग की है। हमले के बाद पाकिस्तान ने अपनी अफगानिस्तान से लगती सीमा बंद कर दी है। इससे अफगानिस्तान के लोगों की सीमा पार आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों पर लगाम लग गई है। इससे अफगानिस्तान दबाव में है। पाकिस्तान कार्रवाई तो करता है, किंतु अभी भी यह स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि उसके लिए वास्तविक खतरा उसके अंदर से है, बाहर से नहीं। पाक सेना ने दरगाह में धमाके के बाद जिन 100 आतंकियों को मार गिराने का दावा किया, उसके संदर्भ में इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता कि वे सभी हथियारबंद आतंकी रहे होंगे अथवा उन्होंने ही हमले को अंजाम दिया होगा।

वैसे भी यह प्रश्न अनुत्तरित है कि पाकिस्तानी सेना ने चंद घंटों के अंदर इतने आतंकी कहां से खोज निकाले? अब जब पाकिस्तान में आतंकियों के साथ–साथ उनके समर्थकों व संरक्षकों को सेना ने मार गिराया, तब फिर यह जरूरी है कि कश्मीर घाटी में आतंकियों के समर्थक चेत जाएं। उन्हें भारतीय सेनाध्यक्ष ने चेताया भी है। उनकी इस चेतावनी में कुछ भी गलत नहीं कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों के समक्ष बाधा खड़ी करने वालों को आतंकियों का समर्थक मान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

lkjk lp viMV d lfØ; y[kd

vfer R;kxh	शेरकोट
शाहजहापुर, (यू.पी.)	**Mk- unyky Hkkjrh**
nhfIr 'kek	इंदौर, (मप्र)
आगरा (यू.पी.)	**dYiuk lekuh**
iue 'kDyk	नवी मुंबई
गुड़गांव	**drh e[kth**
Mk- uhjt Hkkj}kt	लखनऊ (यूपी)
दिल्ली	**itk JhokLro**
r'kkj jkt jLrkxh	सिहोर (मप्र)
दिल्ली	**'kf'k JhokLro**
foHkkjkuh JhokLro	नई दिल्ली
बेगुसराय (बिहार)	**Mk- i#'kkÙke eh.kk**
j[kk tk'kh	**if.kek 'kek**
फरीदाबाद	मुरादाबाद (यूपी)
Hkkouk flUgk	**vueky 'kek**
गया (बिहार)	बागपत (यूपी)
Lkyhek vkfjQ	**d-lh- oek**
जकिर नगर	पटियाला
Lkèkk jkt	**lkftn vyh** खुरेजी

आखिर कब तक ?

'kcue [kku

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4.यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

lkjk lp ¼viMV½

ikf{kd fgUnh lekpkj i=

&e[; lEikndk&
सलीम अहमद
&lg likndk&
उमेश कुमार झा
शाहनवाज सिद्दीकी
&lykgdkj&
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
&Nk;kdkj&
सुधीर कुमार, साजिद अली
C;jk@foKkiu ifrfufèk
&fnYyh&
रविन्दर कुमार,, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
&jktLFkku&
जयपुर–विशाल चौहान
&fgekpy insk&
शिमला
शान मो. खान
&mÙkj insk&
आगरा–हसीब हुसैन
अलीगढ़–मो. फरूख
फिरोजाबाद–फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर–मो. इलियास

plih rkM

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&fy[kk&
e[; lEikndk % lyhe vgen
सारा सच अपडेट
12@596 xyh ucj% 2] oLV x: vxn uxj] y{eh uxj] fnYyh&110092
E-mail : sarasach99@gmail.com

ns'k dk igyk gsyhiksVZ fnYyh esa 'kq:

नई दिल्ली । रोहिणी में देश के पहले हेलीपोर्ट का केंद्रीय नागर उड्डयन मंत्री अशोक गजपति राजू ने उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में देश भर में ज्यादा से ज्यादा हेलीपोर्ट बनाए जाएंगे। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ आपात स्थिति में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा भी मुहैया हो सकेगी।

केंद्र की कोशिश है कि यातायात के अन्य साधनों की तरह आम आदमी सस्ती कीमत पर हेलीकॉप्टर सेवा का भी इस्तेमाल करे।

इस दौरान एलजी अनिल बैजल, केंद्रीय नागर उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा, सांसद डॉ. उदित राज, पवन हंस के चेयरमैन बी शर्मा आदि भी मौजूद थे। शुभारंभ के अवसर पर क्राइ संस्था के बच्चों को हेलीकॉप्टर से निशुल्क यात्रा कराई गई।

गजपति राजू ने कहा कि अप्रैल से आम लोगों के लिए दिल्ली दर्शन योजना के तहत उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इसके लिए दो जोन निर्धारित किए गए हैं। एक जोन में उड़ान की अवधि 10 से 12 मिनट की होगी और दूसरे जोन में इसकी अवधि 18 से 20 मिनट की होगी।इसके लिए न्यूनतम किराया प्रति व्यक्ति 2499 रुपये रखा गया है। इस हेलीकॉप्टर सेवा के विस्तार होने के बाद आने वाले समय में इसे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट से भी सीधे जोड़ दिया जाएगा।

cPpksa ds dkS'ky fodkl ij ljdkj nsxh tksj

–संवाददाता

नई दिल्ली रू दिल्ली के सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक वर्ष 2017–18 से शिक्षकों का ध्यान केवल पाठ्यक्रम को पूरा करने पर ही नहीं बल्कि बच्चों के कौशल विकास पर भी रहेगा। एनसीईआरटी द्वारा तैयार ग्रेडवाइज लर्निंग आउटकम पर हुई बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि पहली से आठवीं तक के बच्चों के कौशल विकास पर ध्यान देना होगा। इसके लिए शिक्षकों को खुद का भी मूल्याकन करना चाहिए। साथ ही बच्चों कादैनिक आधार पर मूल्याकन कर सुधारात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। हमें अभिभावकों से भी बातचीत कर बच्चों को सक्षम बनाना होगा। शिक्षा निदेशालय जल्द ही दिल्ली सरकार, एमसीडी एवं अन्य स्कूलों की शिक्षक यूनियनों के साथ बैठक कर इस विषय पर चर्चा करेगा। इस दौरान सभी से विस्तार में चर्चा कर भविष्य में कैसे इस कोशिश को सफल बनाया जाएगा, इसपर रणनीति तैयार होगी। साथ ही एनसीईआरटी के मसौदे के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

सिलेंडर की कीमत बढ़ने के विरोध में युवा कांग्रेस उतरी सड़क पर

पूर्वी दिल्ली। रसोई गैस सिलेंडर की कीमत वृद्धि के विरोध में युवा कांग्रेस ने कर्दमपुरी में मार्च निकाला और प्रदर्शन किया। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला भी दहन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रसोई गैस की बढ़ी कीमत को कम करने की मांग की।विरोध मार्च लोकसभा क्षेत्र के युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक वशिष्ठ के नेतृत्व में निकाला गया। वशिष्ठ ने कहा कि रसोई गैस की कीमत में अचानक 86 रुपये की वृद्धि कर दी गई है। जब केंद्र में हमारी सरकार थी उस समय एलपीजी की कीमत 399 रुपये थी। तब भी भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया था। आज मोदी सरकार में एलपीजी की 737 रुपये हो गई लेकिन अब वे चुप हैं। कीमत बढ़ने से हर घर परेशान है।

हिंदुस्तान की जनता मोदी सरकार से परेशान हो गई है और लोगों को कांग्रेस सरकार की याद आ रही है। उन्होंने कहा कि आज हिन्दुस्तान के लोगों की लड़ाई कांग्रेस पार्टी लड़ रही है। यूथ कांग्रेस सड़कों पर उतर कर लोगों की परेशानी को उठा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक इस गूंगी बहरी सरकार को हम जगा नहीं देंगे हम चौन से नहीं बैठेंगे। प्रधानमंत्री सिर्फ पैसे वाले लोगों के लिये काम करते हैं। प्रदर्शन में फुरकान कुरैशी, राजकुमार शर्मा, जुगल किशोर, दीपक खैरीवाल, मयंक चतुर्वेदी, दीपक कुमार, महासचिव अरुण चौहान, रिक्की उज्जैनवाल, तरुण शर्मा, ललित कुमार, नदीम शेख, अब्दुल कलाम, शफीक मीनू, राज शर्मा, सुरेंद्र बंसल, धीरज पंडित आदि मौजूद रहे।

गोकलपुर की कॉलोनियों में बिछेगी सीवर लाइन

पूर्वी दिल्ली । गोकलपुर विधानसभा में करीब 30 कॉलोनियों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। कई इलाकों में सीवर लाइन नहीं बिछे होने और कई जगहों पर जर्जर होने के कारण यहां सड़कों पर पानी फैल जाता था। साथ ही पानी की निकासी में दिक्कत होती थी। इसे देखते हुए यहां करीब 64 करोड़ रुपये की लागत से 30 कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। विधायक फतेह सिंह ने सादे समारोह में इसका शिलान्यास किया। इसके साथ मीत नगर में 20 फुटा रोड का भी एक करोड़ चालीस लाख रुपये की लागत से पुनर्निर्माण कार्य का भी उन्होंने शिलान्यास किया। फतेह सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधि का काम जनता की सुविधा का ध्यान रखना है। गोकलपुर की आबादी बढ़ने के समस्याएं बड़ी होती गई। अब धीरे–धीरे उनका समाधान किया जा रहा है। बताया कि दस–दस कॉलोनियों का ब्लॉक बनाकर सीवर लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। एक साथ काम शुरू करने में दिक्कत हो सकती है। यहां करीब 70 फीसद आबादी को इस कार्य से राहत मिलेगी। इसके साथ अन्य कॉलोनियों में भी सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू किया जाएगा।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DDC
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58 Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100 Old Mahavir Nagar, Near Mangla Hospital, New Delhi-18

Jolly Graphics
Offset, Multicolor, Screen Printing & Designing
Visiting-Wedding Card, Bill Book, Letterpad, Pamplate, Brochure, Sticker, Plasto ID Card, Keyring, Pan, Beg, Calender, Flex Board, Banner, Standy etc.
Video, Photography Marriege & Other Programme
(M) +91-9560135171, 9312007017
E-mail: jollygraphics171@gmail.com/ahmeddesigner433@gmail.com

AMAR VIDEO
STILL PHOTOGRAPHY & VIDEO COVERAGE WITH MIXING & COMPUTERISED EFFECTS
7/27, Geeta Colony, Delhi-110031
Ph. : 2434612 Mob. : 98103-68380
Amarjit Singh

Sara Enterprises
Complete I.T. Solution &Service Management, Printing & Publication
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara Enterprises
Construction, Maintenance , Finishing Work & Inerior Decorator
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara Enterprises
Provide Security Guards, Conservancy Service & Man Power
+91-999-000-4667
www.Sara Enterprises.in

ekdsZfVax] ,fDtD;wfVo] fMLVªhC;wVj rFkk foKkiu izfrfufèk lEidZ djsa

lkjk vIMsV dks pkfg, egurh] lq?k"k'khy] tq>k: C;wjks phQ ¼lHkh ftyksa½] laoknnkrk

पाठकों के लिए विशेष

tks Hkh ikBd vPNh dgkuh] dfork,a [kcj bR;kfn nsxk mls ehfM;k ls tqMus dk ekSdk feysxk

विज्ञापन

nks ds lkFk ,d Ýh	;k	30 izfr'kr dh NwV

gekjs lekpkj i= ds tfj, vius O;kikj dks c<+k,a ;k oscklkbV ij viuh ifCyflVh ds fy, lEidZ djsa

सारा सच Update

lEidZ djsa%
91-999-000-7067
www.sarasach.com
Email : sarasach99@Gmail.com

dl #d ik,xh uotkr f'k'kvk dh ekr\

स्वास्थ्य किसी भी देश के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता वाला क्षेत्र होता है। किसी भी समाज की खुशहाली का अनुमान उसके बच्चों और माताओं को देखकर लगाया जा सकता है लेकिन जिस समाज में हर साल तीन लाख बच्चे इस दुनिया में अपना एक दिन भी पूरा नहीं कर पाते और करीब सवा लाख मातायें हर साल प्रसव के दौरान मर जाती हैं, वह कैसा समाज होगा, इसे बताने की जरूरत नहीं। आजादी के 68 साल बाद, जब देश में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कोई कमी नहीं है, तब ऐसा होना शर्मनाक ही नहीं बल्कि एक घृणित अपराध है।

भारत में 5 साल से कम उम्र के करीब 10 लाख बच्चे हर साल कुपोषण के कारण मर जाते हैं। इतना ही नहीं, कुपोषण के मामले में भारत दक्षिण एशिया का अग्रणी देश बन गया है जहां कुपोषण के मामले सबसे अधिक पाए जाते हैं। राजस्थान के बारां और मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में एक नए अध्ययन से पता चला है कि देश के गरीब इलाकों में बच्चे ऐसी मौत का शिकार होते हैं जिसको रोका जा सकता है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कुपोषण के कारण 5 साल से कम उम्र के करीब 10 लाख बच्चों की हर साल मौत हो जाती है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि कुपोषण को चिकित्सकीय आपातकाल करार दिया जाए। उनका कहना है कि ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं और अति कुपोषण के लिए आपातकालीन सीमा से ऊपर है। कुपोषण की समस्या को हल करने के लिए पालिसी बनाने एवं इसके क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की तीसरी रिपोर्ट के अनुसार, 40 प्रतिशत बच्चे ग्रोथ की समस्या के शिकार हैं, 60 फीसदी बच्चे कम वजन का शिकार हैं। यह स्थिति चिंताजनक है और युद्ध के पैमाने पर इस समस्या के समाधान के लिए रणनीति बनाया जाना जरूरी है। राजस्थान के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की तीसरी रिपोर्ट के अनुसार 5 साल से कम आयु के 20 फीसदी बच्चों की मौत हो गई जो नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की दूसरी रिपोर्ट से 11.7 फीसदी ज्यादा थी।

24 फीसदी बच्चों की ग्रोथ रुकी हुई है जबकि नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की दूसरी रिपोर्ट में यह 52 फीसदी थी। 44 फीसदी बच्चों का वजन कम पाया गया है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की तीसरी रिपोर्ट डेटा में यह भी दिखाया गया है कि राजस्थान में अनुसूचित जनजाति के पांच साल से कम आयु के बच्चे गंभीर कुपोषण समस्या के शिकार हैं।उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते नवजात शिशुओं की मौत पर नियंत्राण लगाना कितना मुश्किल होता गया है,

उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते नवजात शिशुओं की मौत पर नियंत्राण लगाना कितना मुश्किल होता गया है, इसका पता हाल में सेव दि चिल्ड्रन संस्था द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से चलता है। एडिंग न्यू–बार्न डेथ्स शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर साल दस लाख से अधिक बच्चे एक दिन से ज्यादा जीवित नहीं रह पाते। रिपोर्ट ने प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों और जन्म से जुड़ी जटिलताओं को इन मौतों की सर्वाधिक प्रमुख वजह माना है। जन्म के समय उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्मिकाओं की जरूरत को तमाम स्वास्थ्य और सामाजिक कार्यकर्ता रेखांकित करते रहे हैं। इस बात को रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है कि अगर जन्म के समय प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी मौजूद हों तो लगभग आधी मौतों को टाला जा सकता है।

अध्ययन और स्वास्थ्य सेवाओं के यूनिसेफ के जानकार ये भी मानते हैं कि अधिकांशतः गरीब देशों में, जहां ये सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पातीं, शिशुओं के लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना भी बहुत कम होती है। खुद भारत की स्थिति भी इस मामले में बहुत अच्छी नहीं है।

यूनिसेफ द्वारा जारी स्टेट आफ द वर्ल्ड चिल्ड्रन 2012 रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रतिवर्ष लगभग 16 लाख बच्चे पांच वर्ष की आयु पूरी करने से पहले ही दम तोड़ देते हैं जबकि एक लाख में से लगभग 4,800 बच्चों की मौत जन्म के एक वर्ष के भीतर ही हो जाती है।

साल 2011 में, दुनिया के अन्य देशों की मुकाबले भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सबसे ज्यादा मौतें हुई। यह आंकड़ा समस्या की गंभीरता को बताता है जिसके अनुसार भारत में प्रतिदिन 4,650 से ज्यादा पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु होती है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ की नई रिपोर्ट भी यह बताती है कि बच्चों के स्वास्थ्य के मामले में अभी कितना कुछ किया जाना है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट लेवल्स एंड ट्रेंड्स इन चाइल्ड मोरटैलिटी–2014 में कहा गया है कि साल 2013 में भारत में 13.4 लाख से अधिक बच्चों की मौत के मामले दर्ज किए गए। 1990 में भारत में शिशु मृत्यु दर प्रति एक हजार बच्चों के जन्म पर 88 थी, जो 2013 में घटकर 41 हो गई। जाहिर है कि स्थिति में सुधार हुआ है लेकिन मौजूदा हालात भी संतोषजनक कतई नहीं हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैसे तो लोगों की सेहत के लिए काफी इंतजाम किए गए हैं और मानवाधिकारों की स्थिति में भी सुधार हुआ है लेकिन अब भी बहुत से इलाकों और समुदायों में बहुत गहरी असमानता बनी हुई है। इनमें से भी करीब एक चौथाई यानी 25 फीसद मौतें सिर्फ भारत में होती हैं। नाइजीरिया में करीब दस फीसद मौतें होती हैं।

दुनिया भर में जन्म के पांच साल के भीतर ही करीब एक करोड़ 27 लाख बच्चों की मौतें होती हैं। उनमें से आधी यानी करीब 63 लाख बच्चों की मौत सिर्फ पांच देशों में होती है।

सरकार का रवैय्या इस दिशा में कोई खास उत्साह बढ़ाने वाला नहीं रहा है।

देश के सकल घरेलू उत्पाद का 1.4 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाता है जो काफी कम है। इसे बढ़ाने की जरूरत है। देश में स्वास्थ्य सेवाओं को दूरस्थ गांव–देहात तक पहुंचाना होगा व देश के हर नागरिक को समय पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधा मिलना सुनिश्चित हो, तभी भारत में नवजात शिशुओं की मौत पर रोक लगायी जा सकती है।

विकलांगों को दया नहीं, विश्वास चाहिए

टॉमस हार्ड़ी के नॉविल 'द मेयर ऑफ केस्टरब्रिज' में लेखक बार–बार एक उद्धरण को दोहराता है 'मैन प्रपोजिज़ एण्ड गॉड डिस्पोजिस' यानी मनुष्य प्रयास करता है और ईश्वरीय शक्तियां उसके प्रयासों पर पानी फेर देती हैं।

उस नावल में होता भी यही है। नायल हैचर्ड तमाम प्रयासों और जुगत के बावजूद अपनी सत्ता को नहीं बचा पाता और अंततः जीवन की शुरूआत की तरह ही अंत में भी घसियारे का जीवन जीने को बाध्य होता है। किसी भारतीय कवि ने भी कहा है 'तेरे मन कुछ और है, कर्ता के कछु और' 'यानी भाव वही है कि मानव की शक्ति और उसका कर्म दैवीय ताकतों के आगे कुछ नहीं कर सकता।

लेकिन समय के साथ दुनिया बदली और आदमी के इरादे भी बदले। उसकी दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प और कर्मनिष्ठा के आगे आज प्रकृति भी उसे मनमाफिक तोड़ने मोड़ने में पूर्णतः सफल नहीं रही है। स्वस्थ मनुष्य तन, मन की ताकत के साथ बहुत कुछ कर सकता है मगर यदि तन भी साथ न दे तो प्रायः देखने आता है कि मन भी हार जाता है। इस उक्ति के साथ यह भी जुड़ा है कि मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। बस इसी मन की जीत पर जश्न मनाने, अपंगता, विकलांगता या अपाहिजता पर रोने के बजाय, कुछ कर दिखाने का दिन है 16 मार्च।

16 मार्च को पूरी दुनिया में विश्व विकलांग दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है जो इस बात का द्योतक है कि अपंग भी हमारे ही समाज का एक अभिन्न अंग हैं और उनका ख्याल रखना हमारा कर्तव्य ही नहीं, दायित्व भी है। वैसे तो विकलांग होना अपने–आप में किसी अभिशाप से कम नहीं है परन्तु यदि परिवार, दोस्तों या समाज ने भी उपेक्षित कर दिया तो यह विकलांगपन बोझ बन जाता है और सारी उम्र घिसट–घिसट कर जीने को बाध्य हो जाता है। आदमी, इसी बाध्य अवशता तथा असहायता की स्थिति में कातर और दीन–हीन हो बैठता है और भूल जाता है कि ईश्वर ने उसे भी अपनी सृष्टि में वैसे ही बनाया है जैसे उसने सामान्य जन को बनाया है।

भले ही बड़ी संख्या में अपंग दीन–हीन हो गए हों मगर ऐसे भी लोगों की कमी नहीं है जिन्होंने बावजूद अपंगता के दुनिया को राह दिखायी है, अपनी सत्ता और अस्तित्व का अहसास कराया हैं बल्कि इससे भी बढ़कर उन्होने नेतृत्व तक किया है। विकलांगों में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो न केवल अपने बलबूते पर खड़े हैं वरन स्वय का ही नहीं, अपने पूरे परिवार का पालन पोषण भी कर रहे हैं।

वस्तुतः विकलांगता कोई अभिशाप नहीं है। यह तो प्रकृति से मिली एक चुनौती है जो चाहे घटना, दुर्घटनावश मिली हो या जन्म के साथ ही कुदरती प्राप्त हुई हो। जिसने आगे बढ़कर चुनौती से दो–चार होना सीख लिया, वह जिंदगी की आंखों में आंखें डालकर जीता और जीतता है। जो झुक गया, जिसने मन हार दिया, उसे दीनहीन बन कर रहना–जीना होता है।

दुनिया भर में फैले लगभग 4 करोड़ अपंगों में तकरीबन डेढ़ करोड़ अकेले भारत में ही हैं। गरीबी की मार झेलते इन लोगों पर समाज का एक बड़ा तबका यदि दया करता है, उनसे सहानुभूति रखता है तो एक बड़ा वर्ग वह भी है जो उन्हें दीन हीन, हेय व बोझ मानकर उनसे छुटकारा पाना चाहता है।

रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, पार्कों और धार्मिक स्थानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर भारी संख्या में पूर्ण विकलांग या अर्ध अथवा आंशिक विकलांग भिक्षा मांगते अनायास ही मिल जाएंगे। गिड़गिड़ाकर दया की अपील करते ये अपंग चंद सिक्कों पर कैसे टूट पड़ते हैं, यह देखकर तरस व वितृष्णा दोनों ही होते हैं। यदि कोई विकलांग भीख मांगता या गिड़गिड़ाता है तो यह उसकी तो मजबूरी हो सकती है पर बाकी समाज का क्या दायित्व है।

बेशक हरेक के बस का हेलन केलर बनना या स्टीफन हॉकिंग हो जाना नहीं है जो विकलांग होने के बावजूद दुनिया भर के सामने एक लाईट हाऊस की तरह चमकाते और राह दिखाते खड़े रहते हैं। हरेक की किस्मत भी 'लिजा' सी नहीं नहीं हो सकती जिसकी पेंटिग, अंधी होने के बावजूद आस्टिन गेलरी में जगह पा सकती है और करोड़ों में बिकती है। हमें आगे बढ़कर विकलांगों को उनके लायक काम दिलवाने में मदद करनी चाहिए, उनके लिए धन और रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए और उन्हें अपने समकक्ष समझने तथा खड़े होने का हौसला देना चाहिए। तभी विकलांग आगे बढ़ पाएंगे।

iFke i"B dk 'k"k

यूपी में भाजपा का...

वाले राज्य में कांग्रेस 15 और बीजेपी 14 सीटों पर आगे चल रही है। 2012 में राज्य में बीजेपी को जीत दिलाने वाले मनोहर परिकर लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में आ गए। जमीनी नेता की छवि रखने वाले परिकर की विरासत में लक्ष्मीकांत पारसेकर आगे बढ़ाने में असफल रहे। बीजेपी मुख्यमंत्री पारसेकर को खुद अपनी ही सीट से हार का सामना करना पड़ा।

आप सरकार ने लगाई...

माध्यम के साथ पांच स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोलने की बात कही गई है। सरकार छोटे बच्चों की पढ़ाई के लिए निजी स्कूलों से लोगों की निर्भरता कम करना चाहती है। 142 स्कूलों में वाणिज्य की पढ़ाई शुरू की जाएगी।

स्वास्थ्यः सरकार ने अगले वित्तीय वर्ष में 1000 मोहल्ला क्लीनिक खोलने का लक्ष्य रखा है। पॉलीक्लीनिक की संख्या 23 से बढ़ाकर 150 की जाएगी। सरकारी अस्पतालों में मौजूद 10 हजार बेड की संख्या बढ़ाकर अगले 18 महीने में 20 हजार की जाएगी। सभी नागरिकों के लिए हेल्थ कार्ड और हेल्थ बीमा की भी योजना है। 30 महत्वपूर्ण और जीवन रक्षक ऑपरेशन के लिए 41 निजी अस्पतालों से गठजोड़ होगा।

परिवहन : लोगों को आवागमन में आने वाली मुश्किलों को दूर करने के लिए कलस्टर बस योजना के तहत 736 बसें खरीदी जाएंगी। 10 हजार नए ऑटो परमिट जारी करने की तैयारी है। मेट्रो की यात्रा सुगम और आरामदेह बनाने के लिए 582 अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने की भी योजना है।

शहरी विकासः खुले में शौच की कुप्रथा से मुक्ति दिलाने के लिए सरकार ने जून 2017 तक 6000 और शौचालयों का निर्माण कराने की योजना बनाई है। झुग्गी व झोपड़ी वालों के पुनर्वास के लिए नांगलोई फेज–2, द्वारका सेक्टर–3, रोहिणी सेक्टर–5 और गीता कॉलोनी में नए आश्रय गृह बनाए जाएंगे।

वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने गरीबों को ध्यान में रखते हुए यह बजट बनाया है। ईमानदारी से काम करने के चलते पैसे बच रहे हैं। उसी पैसे को हम जनकल्याण में लगा रहे हैं। गुजरात में 400 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने पर 2700 रुपये का बिल आता है। दिल्ली में यह सिर्फ 1370 रुपये है।

देश में सबसे सस्ती बिजली दिल्ली में हैं। दिल्ली के स्कूलों में 8000 नए क्लासरूम बनाए गए। अपनी सरकार की तारीफ करते हुए केजरीवाल ने कहा कि दुनियाभर में स्वास्थ्य मंत्री की मोहल्ला क्लीनिक की तारीफ हो रही है। सरकार 107 मोहल्ला क्लीनिक बना चुकी है और आगे भी बनाते रहेंगे।

दलित और गरीब विरोधी...

है। लेकिन कांग्रेस की सरकार के सत्ता से जाने के बाद आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने पर दलित वर्ग के छात्रों को मिलने वाले वजीफे में अत्यधिक गिरावट आई है।

अब दौर आया हर्बल चाय आजमाने का

ठंड हो या गर्मी एक कप चाय की तलब हर किसी को लगती है। मगर समय के साथ चाय में भी काफी परिवर्तन किए गए हैं। रोज पी जाने वाली चाय अब बदल गई है।

दूध की चाय तो हर किसी की पसंदीदा पेय है, पर हर्बल टी को भी अब बेहद पसंद किया जा रहा है। हर्बल टी में मिलने वाली कई वैरायटी अब उपलब्ध हैं। इन्हें आप चीनी व दूध के साथ या इनके बिना भी ले सकते हैं। चाहें तो चीनी की जगह आधा चम्मच शहद भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

पिपरमिंट मिली चाय बेहतर और ताजगी से भरी होती है। यह पेट को एसिडिटी और गैस से राहत पहुंचाती है।कैमैमाइल मिली चाय नर्वस सिस्टम को बेहतर तरीके से रिलैक्स करती है। इसे आप डिनर के बाद अच्छी नींद के लिए ले सकते हैं।

ग्रीन टी एंट्रीआक्सीडेंट की तरह काम करती है। वाटर रिटेंशन जैसी समस्या से भी यह निजात दिलाती है। यह फ्री रेडिकल्स को साफ करता है जो आर्टरी में अवरोधक का कारण बनते हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह चाय आराम पहुंचाती है।

mykx pk; इसे वाइट टी भी कहते हैं। यह चाय की सबसे महंगी वैरायटी है। इसकी पत्तियों को प्रोसेस्ड नहीं किया जाता। ये एंटीआक्सीडेंट से भरपूर होते हैं।

feYd fFkLy: यह चाय लीवर के लिए फायदेमंद होती है। यह लीवर को हील और डिटॉक्स करने के लिए बेहतरीन चाय मानी जाती है।

अदरक और लेमनग्रास वाली चाय सेहत के लिए अच्छी होती है। आयुर्वेद में अदरक का बहुत महत्व है। कई बीमारियों को दूर करने के लिए अदरक का इस्तेमाल किया जाता है।

लेमनग्रास में भी कई बीमारियों से लड़ने के गुण पाए जाते हैं। लेमनग्रास और अदरक की चाय फेफड़े में कफ को दूर करती है और सांस की नली साफ रखने में मदद करती है। पांच साल से ऊपर के बच्चों को भी इसे शहद के साथ दिया जाता है ताकि वे कफ कोल्ड जैसी बीमारियों से दूर रहें।अगर नार्मल चाय की बात करें, तो आप दिन भर में दो से तीन कप पी सकते हैं। ज्यादा चाय एसिडिटी, गैस और हर्ट बर्न जैसी समस्या पैदा करने लगती है।

मगर जहां तक हर्बल चाय की बात हैं, तो इसे दिन भर में चाहें कितनी बार भी पीएं कोई नुकसान नहीं होता बल्कि यह फायदा ही पहुंचाती है। दिल, दिमाग, हर्ट, लीवर और फेफड़े के लिए हर्बल चाय बेहतर है। यह शरीर के अंगों को बेहतर कर स्ट्रेस भी कम करती है। एसिडिटी, गैस और हर्ट बर्न जैसी समस्या से भी आप दूर रहते हैं।

रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली नार्मल चाय बच्चों के लिए भी फायदेमंद नहीं है मगर हर्बल चाय बच्चों के लिए दवा का काम करती है और खांसी–जुकाम जैसी समस्याओं से भी दूर रखती है।

वजन कम करेगी नेगेटिव कैलोरी

वेट रिडक्शन गाइडलाइन में नेगेटिव कैलोरी फूड उन खाद्य पदार्थो को कहा गया है, जिन्हें पचाने में खर्च होने वाली ऊर्जा उनसे मिलने वाली ऊर्जा से बहुत कम होती है। इस वजह से इन्हें खाने से कैलोरी नहीं मिलती, बल्कि खर्च होती है। ज्यादा खाने वाले लोगों के लिए नेगेटिव कैलोरी फूड वरदान है।

,l: dke djrk g uxfVo dykjh QM

यह फूड थर्मिक इफेक्ट पर काम करते हैं। जो भी खाना हम खाते हैं, उसे चबाने और पचाने में ऊर्जा खर्च होती है। खाने की कुछ चीजें बहुत कम कैलोरी वाली होती हैं। ऐसे में इन्हें पचाने के लिए शरीर में पहले से मौजूद ग्लूकोज और वसा खर्च करनी पड़ती है। ककड़ी के एक टुकड़े में सिर्फ एक कैलोरी होती है, इसे पचाने में इससे ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है।

vkbl okVj vkj gkV okVj

cf<;k fodYi

कई शोधों में यह साबित हुआ है कि आइस वाटर और हॉट वाटर सुपर नेगेटिव कैलोरी फूड है, जिससे शरीर को ऊर्जा नहीं मिलती।

ठंडा या गर्म पानी पीने पर शरीर इसे सामान्य तापमान पर लाने के लिए अपनी ऊर्जा खर्च करता है, जिससे मेटाबॉलिक रेट बढ़ती है और आपका वजन कम होने लगता है।

db! udlku Hkh

कई लोगों को लगता है कि सिर्फ नेगेटिव कैलोरी फूड डाइट में शामिल करने से वे फिट हो जाएंगे क्योंकि इसका कोई नुकसान नहीं है। हालांकि वजन कम करने के लिए सिर्फ खीरा–ककड़ी खाएंगे तो शरीर को दूसरे पोषक तत्व नहीं मिलेंगे। जिससे शरीर कमजोर होकर बीमार हो जाएगा, इसलिए इन्हें स्नैक्स की जगह खाना चाहिए।

D;k&D;k 'kkfey

जिन खाद्य पदार्थो में पानी और फाइबर की मात्रा अधिक और फैट कम हो, वे इस सूची में आते हैं। इनमें ज्यादातर फल और सब्जियां शामिल हैं। पत्तागोभी, ब्रोकली, हरी सब्जियां, प्याज, फूलगोभी, ककड़ी, सेमफली, मूली, पालक, गाजर और तुरई। फलों में सेब, संतरा, मौसमी, टमाटर, पपीता, खरबूजा, संतरा, नींबू, अनानास, स्ट्रॉबेरी और तरबूज नेगेटिव कैलोरी फूड हैं।

dljr Hkh t:jh

केवल नेगेटिव कैलोरी डाइट के भरोसे शरीर को स्लिम नहीं किया जा सकता है। इसके साथ रोजाना 20 से 30 मिनट की कसरत को दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है। ज्यादा वसा वाली चीजें जैसे पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि से भी दूरी बनाए रखें। अगर आपकी शारीरिक गतिविधियां कम हैं तो कार्बोहाइड्रेट युक्त सब्जियां जैसे जमीकंद, आलू कम मात्रा में लें क्योंकि इन्हें पचाने के लिए शरीर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

स्किन के मुताबिक खरीदें फेशवाश

आज कल फेस को वॉश करने के लिए साबुन का स्थान फेश वॉश ने ले लिया है। टीवी पर किसी नए फेस वॉश की एड देखी तो बस उसे खरीद कर ले आए। जब भी हम कोई फेस वॉश खरीदते हैं तो दिमाग में केवल टीवी का वह एड रहता है, जिसमें आपके फेवरिट फिल्म स्टार ने चीख–चीख कर यह बोला होता है कि आप केवल यही फेस वॉश खरीदें और अपने दिल की सुनते हुए वही फेस वॉश खरीद भी लेते हैं।

लेकिन आप भूल जाते हैं कि आपको वही फेस वॉश खरीदना चाहिए जो आपकी स्किन के लिए बना हो। कई लोग बिना जाने ही खुशबूदार और रंगीन फेस वॉश खरीद कर चले आते हैं मगर आपकी त्वचा किस प्रकार की है और उस पर कौन सा प्रोडक्ट सही रहेगा, यह आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। आज हम आपको बताते कि किस स्किन के लिए कौन–सा फेश वॉश ठीक रहेगा।

vk;yh fLdu : इस तरह की स्किन के लिये ऑयल प्री फेस वॉश उपयोग करें। इस तरह के फेस वॉश को इस्तेमाल करने से पिंपल भी नहीं होते हैं।

,Du okyh fLdu : अगर आपकी स्किन पर बहुत ज्यादा एक्ने होते हैं तो मेडिकेयर फेस वॉश लगाएं। आपके फेस वॉश में जिंक और सल्फर होने चाहिए जो कि मुंहासों को आने से रोकते हैं।

Mkbl fLdu: आपकी स्किन के लिए क्रीमी और नमी प्रदान करने वाला फेस वॉश अच्छा रहेगा। इस तरह के फेस वॉश में दूध, पीच और प्राकृतिक तेल मिला होना चाहिए, जिससे स्किन ड्राई ना हो।

,yktd fLdu : यदि आपकी स्किन इंफेक्शन और एलर्जी के लिए संवेदनशील है तो आपको स्पेशल केयर की जरुरत है। इसके लिये ऐसा फेस वॉश चुने जिसमें नीम, हल्दी और नींबू आदि का तत्व मिला हो।

इसके अलावा अगर आपको ब्लैकहेड्स की काफी समस्या है तो आप ऐसा फेस वॉश इस्तेमाल करें जिसमें स्क्रब और फेस वॉश दोनों ही हो। अब अगली बार जब भी आप फेस वॉश खरीदने जाए तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।

सबको लुभाते हैं नार्थ ईस्ट के रंग

भारत के नॉर्थ–ईस्ट राज्य अपनी सतरंगी खूबसूरती के चलते घरेलू और विदेशी दोनों तरह के सैलानियों को लुभाते रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत की इस सदाबहार प्रा.तिक खूबसूरती की यात्रा. .–भारत के नॉर्थ ईस्ट स्टेट टूरिस्ट के लिए हॉट स्पॉट बनकर उभरे हैं। पिछले कुछ वर्षो में इन राज्यों में आने वाले घरेलू और विदेशी सैलानियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। मणिपुर, त्रिपुरा और नागालैंड में 20–29 फीसदी ज्यादा विदेशी टूरिस्ट पहुंचे, वहीं अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड पहुंचने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या में 36–41 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई।

नागालैंड–नागालैंड जितना खूबसूरत है, उतना ही इसके आसपास का माहौल भी। यहां 16 जनजातियां पाई जाती हैं। प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट (आर.ए.पी.) में ढील की वजह से राज्य में विदेशी के साथ–साथ घरेलू पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। नागालैंड का हॉर्नबिल फेस्टिवल पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण है। यह फेस्टिवल टूरिज्म विभाग द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाता है, जिसमें सभी 16 जनजातियां अपने–अपने रीति–रिवाजों, परंपराओं एवं लोकनृत्य–संगीत का प्रदर्शन करते हैं। इसमें मिजोरम, मेघालय समेत पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के कलाकार भी अपने लोकसंगीत और नृत्य का प्रदर्शन करते हैं। इसमें इन राज्यों की समृद्ध सांस्तिक विरासत एवं विविधता देखने को मिलती है। इसलिए इसे फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स भी कहा जाता है। यहां के पर्यटन आकर्षणों में द्वितीय विश्वयुद्ध का कब्रिस्तान, राज्य संग्रहालय, कोहिमा और दीमापुर के चिड़ियाघर शामिल हैं। प्रमुख शहरों में दीमापुर, कोहिमा, मोकोकचुंग, मोन, फेक, त्वेनसांग, वोखा, जुन्हेबोटो मिलकर इसे बेहद खूबसूरत बनाते हैं।

अरुणाचल प्रदेश–यह नॉर्थ–ईस्ट का बेहद खूबसूरत राज्य है। बोमाडिला, तवांग और इसके आसपास के कई दर्शनीय बौद्ध स्थल हैं। पशिघाट का प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक है। अन्नी गोंपा, वार मेमोरियल, माधुरी लेक, नामदफा राष्ट्रीय उद्यान, माउलिंग राष्ट्रीय उद्यान दर्शनीय स्थल हैं। लोस्सार, सी–दोन्याई, मोपिन, सोलुंग, परशुराम कुंड मेला, लिखबली मेला आदि प्रमुख त्योहार और मेले हैं। एडवेंचर के शौकीन बह्मपुत्र नदी में रिवर राटिंग का आनंद ले सकते हैं।

मणिपुर–यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और हिल्स की खूबसूरती देखते ही बनती है। मणिपुर की राजधानी इंफाल प्रा.तिक सौंदर्य और वन्यजीवन से घिरी हुई है। गोविंद जी मंदिर, कांगला पैलेस, युद्ध स्मारक, इमा केथेल, इम्फाल घाटी आदि इसके पर्यटन में चार चांद लगाते हैं। तामेंगलांग में ऑरेंज महोत्सव काफी लोकप्रिय है। तामेंगलांग में जाइलद झील बेहद खूबसूरत स्थल है ।मेघालय–मेघालय की मनोरम वादियों को देख कोई भी इसकी

खूबसूरती का कायल हो सकता है। बारिश के मौसम में यहां की पहाड़ियां लुभावनी दिखाई देती हैं। मेघालय की राजधानी शिलांग की खूबसूरती और यहां की ऊंची–ऊंची पहाड़ियों के आकर्षण से आप बच नहीं सकते। यहां वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड, मिनी चिड़ियाघर, एलीफेंट वाटर फॉल प्रमुख पर्यटक स्थल है। मिजोरम–यहां के खूबसूरत धान के खेत, बांस के जंगल, कलकल बहते झरने–प्रकृति प्रेमियों को जरूर आकर्षित कर सकते हैं। यहां की राजधानी आइजोल धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। वानतांग जलप्रपात मिजोरम में सबसे ऊंचा और अति सुंदर जलप्रपात है।

त्रिपुरा–अपनी हरी–भरी घाटियों और पहाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है त्रिपुरा। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां के अन्य पर्यटन आकर्षण हैं–धलाई, कैलाशहर, उनकोटी और उदयपुर। उदयपुर में जहां त्रिपुर सुंदरी और भुवनेश्वरी मंदिर हैं, वहीं कैलाशहर में देवोतार मंदिर और चाय के बागान हैं, जो सभी को आकर्षित करते हैं।

सिक्किम– सिक्किम अपने खूबसूरत प्राकृतिक स्थल, बर्फ से ढके पहाड़, रंग–बिरंगे फूलों के मैदान आदि की वजह से प्रसिद्ध है। सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचकर आप त्सोम्गो झील, डियर पार्क, नाथुला पास, रूमटेक मठ, इंची मठ, ताशि और लाल बाजार घूम सकते हैं। यहां कई पवित्र और चमकीले बौद्ध मठ, सुंदर हरी घाटियां और नदियां सैलानियों को आकर्षित करने के लिए काफी हैं।

असम–प्रकृति प्रेमियों के लिए असम स्वर्ग से कम नहीं है। यह चाय के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। कामाख्या मंदिर, नवग्रह मंदिर, कांजीरंगा नेशनल पार्क, मानस उद्यान, विश्व की सबसे बड़ी नदी द्वीप माजुली, चंदुबी झील, होजो, बताद्रवा सुआलकूची आदि दर्शनीय स्थल हैं। बिहु, बाथोव पूजा, पोरग, बैसागू, जोनभील मेला, अम्बुबासी आदि प्रमुख है।

देवभूमि का अलौकिक तीर्थ बद्रीनाथ

उत्तराखंड को देवों की भूमि भी कहा जाता है। इस राज्य में ख्यातिप्राप्त तीर्थस्थल तो हैं ही साथ ही इस राज्य का प्राकृतिक सौंदर्य भी देखते ही बनता है। इस राज्य की खूबसूरती का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि उत्तराखंड की प्रमुख आय का स्त्रोत पर्यटन ही है।

खूबसूरत स्थलों और तीर्थस्थलों का जिक्र आए और बदरीनाथ का उल्लेख न हो ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि हिन्दुओं के लिए बदरीनाथ आस्था का प्राचीन केन्द्र है। इस तीर्थस्थल की खासियत यह है कि यह न सिर्फ अपनी महिमा बल्कि अपने अलौकिक सौंदर्य के कारण भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

यहां आने पर आप देखेंगे कि किस प्रकार सैलानी आसमान की ऊंचाईयों को छूते पहाड़ तथा नर व नारायण की गोद में स्थित इस जगह पर सुनहरे शिखरों व घाटियों की सुंदरता को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। यहां पर अलकनंदा नदी की घाटी के बीच में बहते हुए कलकल करते जल की आवाज सुनकर आपको एक मधुर संगीत सुनने सा आभास होगा। यहां पर पहाड़ों की आड़ में विशाल मंदिर की स्थापत्य कला तो देखने योग्य है। लगभग 3,133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बदरीनाथ धाम मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। मंदिर के निकट ही गर्म जल के स्रोत भी हैं। इन स्रोतों में स्नान करने का अपना अलग ही मजा

है। इस स्रोतों के जल की खास बात यह है कि यह आपकी थकान को क्षण भर में दूर कर देता है। पूर्व में भले ही बदरीनाथ की यात्रा कठिन हुआ करती थी लेकिन अब यहां पर काफी विकास हुआ है और यात्रियों के लिए अनेक सुविधाएं प्रशासन की ओर से मुहैया कराई गई हैं।

अब सड़क बन जाने से यहां की यात्रा बहुत ही सुविधाजनक हो गई है। आप जब यहां आए ही हैं तो यहां के दर्शनीय स्थलों को देखना मत भूलिए। बदरीनाथ धाम के आसपास कई खूबसूरत झीलें और मनोहारी ताल भी मौजूद हैं। जिनमें आप नौकायन का लुत्फ भी उठा सकते हैं। देखने लायक सर्वश्रेष्ठ स्थलों में तप्तकुंड, नीलकंठ, माणाग्राम व भीमपुल आदि प्रमुख हैं। बदरीनाथ की यात्रा पर आने से पहले यात्रियों को यह देखना चाहिए कि वह किस मौसम में यहां जाना चाह रहे हैं। यदि आप मई माह में यहां आ रहे हैं तो आपको भारी ऊनी वस्त्र लाने चाहिएं जबकि यदि आप जून से सितंबर माह के बीच में यहां आने का मन बनाते हैं तो आपको हल्के ऊनी वस्त्र लेकर आने चाहिएं। लेकिन यदि आप अक्टूबर व नवंबर माह में यहां जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं तो अपने साथ भारी ऊनी वस्त्र लेकर जाएं।

यहां तक आने के लिए सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन हरिद्वार, ऋषिकेश व कोटद्वार पड़ते हैं। वैसे तो दिल्ली से हरिद्वार, ऋषिकेश व कोटद्वार तथा देहरादून के लिए परिवहन निगम की नियमित बस सेवाएं भी उपलब्ध हैं। ज्ञातव्य है कि ऋषिकेश, हरिद्वार व कोटद्वार तथा देहरादून उत्तरी भारत के प्रमुख नगरों से सड़क मार्गों द्वारा जुड़ा हुआ है। ऋषिकेश से बदरीनाथ तक का पूरा रास्ता पहाड़ी है। यह मार्ग गंगा और अलकनंदा के किनारे होता हुआ जा रहा है। वैसे यदि आप ऋषिकेश तक ट्रेन से ही आ गए हैं तो आप यहां से बस या टैक्सी लेकर आसानी से शाम तक बदरीनाथ तक पहुंच सकते हैं।

lkjk lp ,d tfj;k g nfu;k dh lcl cMh ifl) lk'ky uVofdx lkbV ij viu dkjkckj dk cM y oy ij c<ku d fy, lkjk lp v[kckj@oc lkbV e foKkiu ndj viuh ifCyflVh djok, D;kfd lkjk lp u bu ij viuh ikQkby@vkbMh cukdj viuh igpku cukb g vkj ykxk dk viu lkFk tkMdj ge'kk viMV jgrk gA

lEid dj % $91&999&000&7067

E-mail : sarasach99@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

0;kikj lekpkj

Hkhe ,i dk c<kok nus ds fy, ekbnh ljdkj nxh dS'k&cSd

नई दिल्ली। भीम ऐप को बढ़ावा देने के लिए सरकार नई योजना पेश करेगी। इसके तहत व्यापारियों के लिए कैश–बैक योजना आएगी। सरकार भीम ऐप डाउनलोड करने और उससे ट्रांजैक्शन करने पर 30–30 रुपए का इंसेंटिव दोनों को देगी। इसी तरह भीम ऐप से पेमेंट लेने पर दुकानदार को भी विशेष रियायत कैशबैक के तौर पर मिलेगी। जानकारी के मुताबिक सरकार ने इस योजना के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दे दिया है। डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कैशबैक के जरिए रेफरल स्कीम के मसौदे को अंतिम रूप दिया है। आईटी मंत्रालय में हुई बैठक में सरकार ने फैसला किया कि भीम ऐप रेफर के जरिए एक तय संख्या से ज्यादा डिजिटल पेमेंट लेने पर दुकानदार को पैसा मिलेगा। ऐप के जरिए 10–15 ट्रांजैक्शन करने पर पैसे मिलेंगे और हर ट्रांजैक्शन के 3–4 स्लैब होंगे। जिसके तहत हर स्लैब को पार करने पर इंसेंटिव की रकम बढ़ती जाएगी। अगर ऐप के जरिए 20–25 ट्रांजैक्शन करते है तो आपको 150 रुपए का फायदा मिल सकता है। वहीं 30–40 ट्रांजैक्शन करने पर 250 रुपए तक मिल सकता है। हालांकि सरकार इस पर जल्द ही कैबिनेट नोट तैयार करने वाली है।

0;kikj

fjyk;al djxk ft;k cSd dh 'kq:vkr

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को जियो पेमेंट्स बैंक शुरु करने की इजाजत दे दी है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ मिलकर जियो इस महीने के अंत तक इसको लांच करने जा रहा है। इसी के साथ कंपनी ने एक और नई उपलब्धि हासिल कर ली है। रिलायंस ग्राहकों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए जियो प्लान और पेमेंट्स बैंक का इस्तेमाल कर ट्रांजैक्शन करने पर ऑफर दे सकता है।

पेमेंट बैंक से रेवेन्यू जुटाने के लिए रिलायंस जियो कई तरह के वित्तीय और इन्श्योरेंस उत्पादों को बेचेगा। इस डेवलपमेंट से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसको जियो के प्लान के साथ बंडल किया जा सकता है और कई दुकानदारों के साथ करार किया जा सकता है। अधिकारी ने कहा कि रिलायंस अपनी बैंकिंग सर्विस को जियो के सभी नए और पुराने ग्राहकों को मुहैया कराएगा। इसके साथ ही वो रिटेल नैटवर्क, मर्चेंट आउटलेट्स, जियो रिटेलर के साथ टाइअप करेगी। इस साल की शुरुआत में 12 जनवरी को एयरटेल की पेमेंट बैंक सेवा 29 राज्यों में शुरू हो चुकी है। यह एक ऐसी सेवा है जिसमें आपको किसी भी कागजात की जरूरत नहीं है यह पूर्णतः डिजिटल बैंकिंग सेवा है जिसके माध्यम से आप एक सेविंग अकाउंट ओपन कर सकते हैं और इस अकाउंट के माध्यम से अपना लेन–देन कर सकते हैं। साथ ही एयरटेल पेमेंट बैंक में आपका खाता महज आपके आधार कार्ड के माध्यम से ही ओपन हो जाएगा। इसके अलावा आपको किसी भी अन्य कागजात की जरूरत नहीं है।

Kumar Associates

Soliciter & Advisor (Legal)

Delhi District Court & High court

Karanjeet Kumar (Advocate)

H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395

VARUN
Canvas-Company

Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover
12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION ANTI-TERMITE TREATMENT
Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)
WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI,
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

fQYe txr

सारा अली खान का डेब्यू तीसरी बार टल गया

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान अक्सर अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में रणवीर सिंह के साथ उनकी तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हुई हैं। दोनों हैदराबाद में एक शादी समारोह में शामिल हुए थे। कुछ दिन पहले यह खबर भी आई थी कि जोया अख्तर की 'बल्ली ब्वायज' में रणवीर के साथ सारा की जोड़ी को फायनल किया गया है लेकिन जोया ने इस खबर का न सिर्फ खंडन किया, बल्कि साफ कर दिया कि फिल्म में रणवीर के अपोजिट उन्होंने आलिया भट्टट्का चयन कर लिया है। इसके बाद खबर आई कि सारा अली खान, करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन की करण मल्होत्रा निर्देशित, ऋतिक रोशन स्टॉरर फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने जा रही हैं लेकिन अब कहा जा रहा है कि करण जौहर और ऋतिक रोशन के बीच फिल्म के सैटेलाइट अधिकारों को लेकर बात उलझ गई है और फिल्म अचानक होल्ड पर चली गई है।दरअसल ऋतिक रोशन ने अगस्त 2016 में 'स्टार चैनल' के साथ अपनी फिल्मों के सैटेलाइट अधिकारों की डील की है। उस डील के अनुसार ऋतिक की आगामी दस फिल्मों के टीवी प्रदर्शन के अधिकार उक्त चैनल के पास ही रहेंगे। इस डील की शुरूआत ऋतिक रोशन की महा फ्लॉप फिल्म 'मोहनजोदारो' के साथ हुई थी।विडंबना यह है कि तीन साल पहले, करण जौहर अपनी निर्माण संस्था की फिल्मों के पांच साल की अवधि तक टीवी प्रदर्शन के अधिकार से संबंधित डील 'कलर्स चैनल' के साथ कर चुके हैं। इस तरह मामला उलझ गया है।

हालांकि ऋतिक और करण दोनों ही इस फिल्म को जल्द शुरू करना चाहते हैं लेकिन ऋतिक और करण की अपनी अपनी डील देखते हुए मामला निबटने के आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में सारा का डेब्यू एक बार फिर टल गया है। यहां उल्लेखनीय है कि सारा अली खान को 'फाल्ट ऑफ द स्टार' के रीमेक के लिए लिया जाने वाला था लेकिन वह फिल्म भी किसी कारण होल्ड पर चली गई।

आपात सेवा में बनाए कैरियर

दुनियाभर में हर साल लाखों लोग सही समय पर इलाज ना मिलने के कारण मर जाते हैं।

हालांकि विकसित देशों की स्थिति कुछ बेहतर है लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों में इमरजेंसी सर्विसेज की हालत बहुत ही खस्ता है। यही कारण है कि राज्य सरकारों के साथ–साथ राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के हालात से निपटने को लेकर सुगबुगाहट देखी जा सकती है। वर्तमान में, इमरजेंसी चिकित्सा सेवा से संबंधित कई कोर्स संचालित किए जा रहे हैं और इससे जुड़े लोगों के लिए नौकरियों के काफी अवसर हैं–

प्राथमिक चिकित्सा पाठयक्रम –वैसे तो दुर्घटना होने के बाद कोई भी प्राथमिक चिकित्सा दे सकता है, लेकिन सही तरीके से प्राथमिक चिकित्सा न मिल पाने के कारण लोगों की मौत हो जाती है। पेशेवर तरीके से तैयार इन फील्ड के लोगों को इमरजेंसी टेक्नीशियन कहा जाता है। यह वह फील्ड है जिसके जरिए आपातकाल के दौरान प्राथमिक सेवा उपलब्ध कराना ऐसा असाधारण प्रयास है जो लोगों को घायल होने के बाद तुरंत मिलता है। इसके लिए कोई भी पहल कर सकता है। आपातकाल सेवा किसी बीमारी या दुर्घटना के बाद व्यक्ति को तुरंत प्रदान किया जाता है। यह सेवा विशेषज्ञ चिकित्सीय सुविधा मिलने से पहले दिया जाता है।

उद्देश्य –आपातकाल के दौरान दी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा के तीन उद्देश्य है– जीवन को बचाना, कष्टों की रोकथाम करना, मरीज को बदतर स्थिति से बचाना आदि। प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित कोर्स करने के बाद हजारों लोगों को जिंदगी को बचाया जा सकता है। यदि दुर्घटना के बाद व्यक्ति को तुरंत मेडिकल मदद उपलब्ध करायी जाए तो उसके दर्द और मौत के कारणों को रोका जा सकता है।

lkjk lp viMsV fgUnh ikf{kd lekpkj i= iklr djus ds fy,

Subscription From / lnL;rk gsrq QkWeZ

नाम : ....

पता : ....

शहर : ....पिन : ....

फोन : .... मोबाइल :....................

ईमेलः ....

समयावधि : एक वर्षः 100/–..............तीन वर्ष : 300/– ....

पांच वर्ष : 500/–...........आजीवन : 3000/– ....

भुगतान : नकद ....डीडी/चैक........................

ukV % o"kZ ,d@rhu@ikap dh lnL;rk ds fy, MhMh@pSd ij 50@&vfrfjDr cSd pktZ tksMdj nsuk gksxkA

QkWeZ lkQ lkQ Hkjdj lkjk lp viMsV ds uke MhMh@pSd ds QkWeZ ds lkFk fuEu irs ij Hkstsa ;k dS'k vkfQl esa tek djk,] QkWeZ vki www.sarasach.com / join-us/ ls dkih dj ldrs gSA

irk % 12@596] xyh ucj&2] oLV xq: vxn uxj] fu;e Kku dqat dkyksuh] y{eh uxj] fnYyh&92

bZ&esy & sarasach99@gmail.com, info@sarasach.com

eksckby % 999&000&4667 &7067 Qksu% 011-65100636

eV'k dk LekVl dkMl MhVhlh clk e: Hkh tYn gkxk ekU;

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने दिल्ली मेट्रो के स्मार्ट कार्ड को परिवहन के अन्य साधनों में इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। जल्द ही ये स्मार्ट कार्ड बसों में भी यात्रा के लिए मान्य किए जा सकते हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने अपनी ओर से यह सुविधा देने की तैयारी कर ली है। यही वजह है कि पहले अप्रैल से मेट्रो के स्मार्ट कार्ड में रिचार्ज कराए पैसे वापस नहीं होंगे।

रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक अभी प्रावधान है कि यदि कोई यात्री मेट्रो स्मार्ट कार्ड वापस लौटाता है तो 20 रुपये शुल्क काटकर शेष पैसे लौटा दिए जाते हैं। अब डीएमआरसी ने निर्देश जारी किया है कि 1अप्रैल से स्मार्ट कार्ड वापस जमा कराने पर सिर्फ सुरक्षा शुल्क वापस होगा। जो लोग स्मार्ट कार्ड से पैसा वापस चाहते हैं वे 1 मार्च से 31 मार्च तक पैसे वापस ले सकते हैं। मेट्रो का स्मार्ट कार्ड डीटीसी बसों के साथ–साथ मेट्रो फीडर बसों में भी इस्तेमाल होगा। अधिकारी कहते हैं कि दिल्ली सरकार चाहे तो टैक्सियों व पार्किंग में भी किराया भुगतान के लिए इस स्मार्ट कार्ड को मंजूरी दे सकती है। आगे की नीति सरकार को तय करनी है।

u, vkf'k;ku e jgx bgckl e ekufld jkxh

पूर्वी दिल्ली। अस्पताल में इलाज के बाद करीब 90 फीसद मानसिक रोगी पूरी तरह से ठीक होकर अपने समाज के बीच चले जाते हैं। बचे हुए मानसिक रोगियों को लंबे समय तक देखभाल की जरूरत होती है। इनमें कुछ के परिवार अपने घर में रखकर देखभाल करते हैं तो वहीं कुछ ऐसे रह जाते हैं जो अस्पताल के भरोसे ही छोड़ दिए जाते हैं। ऐसे मनोरोगियों को मानव व्यवहार व संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) में नया आशियाना मिल गया है। इसका नाम सक्षम हॉफ वे होम रखा गया है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने इसका उद्घाटन किया। इसमें करीब 50 मरीज रह सकते हैं।

जैन ने कहा कि यह मोहल्ला क्लीनिक की तरह मिसाल बनेगा। इस मॉडल को पूरे देश में अपनाया जाना चाहिए। हाफ वे होम के रखरखाव और देखभाल की जिम्मेदारी यहां रहने वाले लोगों को खुद संभालने की कोशिश करनी चाहिए। इहबास के निदेशक डॉ. निमेष जी देसाई ने बताया कि हाफ वे होम में आने वाले मरीज सक्षम होकर यहां से निकलें इस वजह से इसका नाम सक्षम रखा गया है। इसका निर्माण अस्पताल के पुराने खाली पड़े हॉस्टल की मरम्मत कर किया गया है। इसमें घर जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

> हाफ वे होम के रखरखाव और देखभाल की जिम्मेदारी यहां रहने वाले लोगों को खुद संभालने की कोशिश करनी चाहिए।

U;ure etnjh çLrko dk ,ythh us nh etjh

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मजदूरों को होली का तोहफा देने के लिए न्यूनतम मजदूरी को 36 फीसद बढ़ाने के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी दी थी। अब न्यूनतम मजदूरी बिल को उपराज्यपाल अनिल बैजल से भी हरी झंडी मिल गई है।

बैजल ने दिल्ली सरकार के न्यूनतम मजदूरी बिल के प्रस्ताव को पास कर दिया है। इसके तहत राजधानी में न्यूनतम मजदूरी 9724 रुपये की जगह अब 13,350 रुपये हो जाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निवास पर शनिवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस मसले पर पूर्व उपराज्यपाल (एलजी) नजीब जंग द्वारा गठित कमेटी की सिफारिशों पर फैसला लिया गया। इससे पहले सीएम केजरीवाल ने दावा किया कि इस घोषणा के बाद अकुशल,

अर्धकुशल और कुशल मजदूरों की मजदूरी में औसतन 36–37 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी दिल्ली सरकार द्वारा पिछले अगस्त में प्रस्तावित की गई न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोत्तरी से करीब 10 से 15 फीसद कम है।

मजदूर	वृद्धि से पहले	वृद्धि के बाद
अकुशल	9,724	13,350
अर्द्ध–कुशल	10, 764	14,698
कुशल	11,830	16,182

नोटरू न्यूनतम वेतन रुपये में

दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने गत अगस्त में न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी का प्रस्ताव स्वी.त कर तत्कालीन एलजी नजीब जंग के पास भेजा था। लेकिन जंग ने दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। जंग ने दिल्ली सरकार से कहा था कि उनसे इस बारे में अनुमति नही ली गई थी।

दिल्ली सरकार द्वारा फिर से इस प्रक्रिया को शुरू किया गया था, जिस पर जंग ने इस मामले में अपनी राय देने के लिए एक कमेटी बना दी थी। इस कमेटी की सातवीं बैठक की सिफारिशों को दिल्ली सरकार ने मान लिया है। इस मौके पर केजरीवाल ने औद्योगिक क्षेत्र के लोगों से अपील की थी कि वे मजदूरों को उनका पूरा वेतन दें।

राजनीतिक पार्टी बन गई स्वराज इंडिया

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी से निष्कासित योगेंद्र यादव व प्रशांत भूषण की पार्टी स्वराज इंडिया को राजनीतिक दल का दर्जा प्राप्त हो गया है।

चुनाव आयोग ने स्वराज इंडिया को पंजी.त कर लिया है और इस प्रक्रिया के पूरा होते ही पूरा यह राजनीतिक पार्टी बन गई है। गौरतलब है कि अक्टूबर महीने में योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण की अगुवाई में राजनीतिक पार्टी के नाम का किया गया था। नई पार्टी का नाम स्वराज इंडिया रखा गया था। दिल्ली गेट के पास स्थित पारसी अंजुमन गेस्ट हाउस में योगेंद्र यादव ने पार्टी के नाम और अन्य औपचारिकताओं का एलान किया था।

राजनीतिक के जानकारों का मानना है कि इस पार्टी के अस्तित्व में आने के बाद अब दिल्ली के सियासत में आम आदमी पार्टी को एक नई चुनौती मिलेगी, क्योंकि इस पार्टी के गठन वही कार्यकर्ता और नेता हैं जो कभी आप के प्रमुख नेताओं में थे।

पार्टी के नाम में स्वराज शब्द जुड़ा है। इससे पहले आम आदमी पार्टी से निकाले जाने के बाद योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, आनंद कुमार, अजीत झा आदि नेताओं ने स्वराज अभियान नाम का संगठन बनाया था, जिसके संयोजक आनंद कुमार हैं। हालांकि, राजनीतिक दल बनने के बाद भी स्वराज अभियान

संगठन बरकरार है। स्वराज अभियान की राजनीतिक पार्टी श्स्वराज इंडियाश दिल्ली में अप्रैल में होने वाले निगम चुनाव में उतर रही है।

ehuk{kh oek cuh ftyk e=h

पूर्वी दिल्ली। मीनाक्षी वर्मा को शाहदरा जिला महिला मोर्चा का जिला मंत्री बनाया गया है। उनकी नियुक्ति महिला मोर्चा अध्यक्ष नीतू त्रिपाठी ने की है। जिला कार्यालय में आयोजित समारोह में उनकी नियुक्ति की घोषणा की गई। भाजपा के जिलाध्यक्ष संतोष पाल, प्रदेश महिला मोर्चा की महामंत्री नीमा भगत सहित कई भाजपा नेताओं ने उन्हें बधाई दी।

वर्मा इससे पहले अनारकली मंडल में मंत्री रहीं हैं और पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता हैं। वर्मा अनारकली वार्ड के निगम पार्षद व पूर्वी निगम के नियुक्ति समिति के चेयरमैन जयगोपाल वर्मा की पुत्रवधू हैं। अनारकली वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित हो गया है। जिससे उन्हें इस वार्ड से निगम चुनाव में प्रबल दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

çfro"kl 42 djkM+ #i, fctyh fcy cpk,xk fuxe

–संवाददाता

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली की संकरी गलियां हों या फिर बाहरी दिल्ली के गांव। जल्द ही ये सभी इलाके एलईडी लाइट से जगमग होंगे। दरअसल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधिकृत इलाकों में एलईडी बल्ब लगाए जाएंगे। नेता सदन विजय प्रकाश पांडे ने बताया कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे निगम के बिजली बिल के 42 करोड़ रुपये बचेंगे।

उन्होंने बताया कि निगम की योजना स्ट्रीट लाइट्स, सेमी हाईमास्ट लाइट्स और पार्क लाइटों में हो रहे व्यय को एलईडी लगा कर लगभग 54 प्रतिशत तक इसी वर्ष कम करने की है।नेता सदन ने बताया कि निगम के अधिकार क्षेत्र में लगभग दो लाख पाच हजार इलैक्ट्रिक प्वाइंट हैं। वर्तमान में लगभग 7.88 रुपये प्रति यूनिट की दर से निगम बिजली बिल का भुगतान करता है। एलईडी बल्ब लगने से स्ट्रीट लाइटिंग के खर्च में 53.61 प्रतिशत की कमी आएगी। एलईडी व्यवस्था लागू होने से 7.88 रुपये प्रति यूनिट की जगह 3.66 रुपये प्रति यूनिट बिजली कंपनियों को भुगतान करना होगा। एलईडी लगने के बाद वर्तमान प्रति यूनिट की दर के हिसाब से निगम 42 करोड़ 20 लाख रुपये प्रति वर्ष बचाएगा। एलईडी बल्ब लाइटिंग को फिक्स करने और इसके रखरखाव के लिए 7 वर्षीय ओपन टेंडर मंगाए जा रहे हैं। इसका

भुगतान अनुबंध अवधि में किए जाने के लिए प्राइवेट बिजली कंपनियों को दिए जा रहे भुगतान की बचत से किया जाएगा। इसलिए इस मद में निगम को अपनी ओर से कोई भी धनराशि व्यय नहीं करनी पड़ेगी।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा मयंक ऑफसेट प्रोसेस 794/95, गुरू रामदास नगर एक्सटेंशन, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित।
संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच अपडेट पाक्षिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा.